

[illegible]

कानययनं विष्णु किरास्त्रायनः श्वानं नक्षत्रं मेकचि न कनधः यज्ञ
सुलेखि जानु नायानमी नास्वउवनत्त नः कृत्या मनिमधुलं हव
कु कनकवधु सर्वलाके विनिमूकः सनमनूक विक्षिष्टः च उवधि
विनिकानिः धनकनकसमीक्षि जायन नाउवंतः सुवनवनगृह
सिन् कायक म्मा नि कृत्वा ॥ धूमि रुमि सधन ॥ उं सर्व न धग न अधि
स्थाना अधिनि थं तुत्वा हा ॥ उं वडा कवि सलेत्वा हा ॥ मधु इय का हा

निस नय ॥ उं वडा सत्व सर्व विद्व धृच्छालय हं ॥ उं हं महाम ध्य मन
वनम ॥ दधुस ॥ उं डिम ध्य मन वानम ॥ दधुस ॥ उं हं हं क मन वान
म ॥ दधुस ॥ उं यं पूर्व विदि हायनम ॥ ऊजा न्य ॥ उं वं ड मू दियाय न
म ॥ खय स ॥ उं ले मूय न गम दावलियनम ॥ धडा न्य ॥ उं वं ड रु कू न
वम ॥ ऊजा स ॥ उं यं डय दियाय नम ॥ खडा का थू ॥ उं ना डय दि या
यनम ॥ खडा धधुस ॥ उं ला डय दियाय नम ॥ ऊजा थू थू ॥ उं यं गड

ललायनम ॥ **अअकाथस** ॥ उं नय नय नलायनम ॥ **हअन** ॥ उं न
मूथनलायनम ॥ **खअस** ॥ उं वसिनलायनम ॥ **धअन** ॥ उं याख
अनलायनम ॥ **अअस** ॥ उं नामलिनलायनम ॥ **खअकाथस** ॥ उं ला
यकनलायनम ॥ **खअथधूस** ॥ उं वासर्वनिजा लिखनम ॥ **अअथधूस**
॥ उं वंदं डायनम ॥ **अअकाथ** ॥ उं सूर्ययानम ॥ **हअन** ॥ उं अजीव
अरुनलायनम ॥ **दधूस** ॥ उं वजगंधासादा ॥ **विन** ॥ उं वजयथासादा

सा ॥ उं वजयथासादा ॥ **धनि** ॥ उं वजदियसादा ॥ **मन** ॥ उं वजनेन
यसादा ॥ **नवा** ॥ ॥ उं वरुनलमयमनः मरुदियायसातिन
नाना नलसमा ददद न नदायनीः गुत्र सा वृद्ध धर्मसंदय
म्य नथ वयः निर्या गयामि रावनः संयुक्त नलमलुनं ॥ **आकिन**
स्वमलुनसहायक ॥ उं अहं गीमन वजस न गुत्र वरुन नलकमना
यः संयुक्ता ना वरासनं कनायः नमहं नमस्तु नमनमस्तु ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नवयंका ल्य नवायुमल्य नः लंकाय नभूमि मद्यः विमूढे नमः

कायासि नयम लंका नः ॥ वृंआं जिं सं दें ॥ लं मां प्रां नां वं का
यवेभम नय के यदीयाः वृंदादि लंका या नायखादा ॥
नमः ॥ ॐ वृंदायखादा ॥ ॐ यमायखादा ॥ ॐ वनूनायखादा ॥ ॐ देव
यखादा ॥ ॐ कृष्णायखादा ॥ ॐ नेत्रायखादा ॥ ॐ वायुयखादा ॥ ॐ वृं
मायखादा ॥ ॐ उड्डि वृं नखादा ॥ ॐ सूर्यायखादा ॥ ॐ वृंदा नय
मायखादा ॥ ॐ कृष्णायखादा ॥ ॐ मागयखादा ॥ ॐ वृंदा नय

३३ ४

स्वाहा ॥ उं यक्ष स्वाहा ॥ उं सर्वदिगलोकाया नाथ स्वाहा ॥ **यं वयं नमः**
जा ॥ उं वज्रलाक्ष्मि ॥ उं वज्रमादिर्गा ॥ उं वज्रगीर्वा ॥ उं वज्रनृत्यभू ॥ उं
 वज्रयुष्मि ॥ उं वज्रद्वयर्गा ॥ उं वज्रावलोकीर्वा ॥ उं गन्धर्वजम्बू ॥ उं हं
 स्वाहा ॥ उं हं स्वाहाद्यत्वा ॥ **थन किं न** ॥ उं ॐ ह्यदयामहाविलाः लोकाया
 नामरुद्धिकाः कीनयं तु दक्षक्राव विद्वहं स्तानममुने ॥ **थन नत्यधया**
 उं विद्यानं वृद्धविवं दिवसकनकनाः विद्वहं यं वरुणः मुनिनयं वा

[illegible]

लाससंन्यासपूयदाचवः स्वकुनेसमष्टाः पृथंवल्लिध्रयंनिवदनये
नुजंलु किद्यलुयिपंलुः वदंलुलु वयमसरुलुगलु ॥ दामा
नडंनमनलुगयायवद्ववजयानयः मदावजकाप्रायः दद्याकनरुन
कायः अमिमूलनयलसयागगुलायः अमृलकुलुलिः स्वखखादि
रनिहृरवचरदनरददरययेरुद्वरवगत्रिनाममानावल्लि
विखगुद्वरसफयागानमः लुजंगसयवा नऊयरआकचरदोरा
रकमांरदांरसिनिरधिनिरद्वंररुद्वखादा ॥ ॐ ॥ पंचयहाप्रजा

॥ लाभा ॥ चत्तावादननुनि ॥ मग्ननयन ॥ सनादन ॥ कमायन ॥
निगुत्रमलुन ॥ वनिविसर्जन ॥ गुरमंगलंतवनु ॥ सर्वसिद्धिरवधि